योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया

पाठमाला

के लिये आवेदन

शेष सब कुछ प्रतीक्षा कर सकता है
परन्तु आपकी ईश्वर की खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

Yogoda Satsanga Society of India
FOUNDED 1917
Paramahansa Yogananda

योगदा पाठमाला के सदस्यों के लिये आवश्यक सूचना

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया का उद्देश्य है सभी सत्यान्वेषियों को ध्यान की ऐसी वैज्ञानिक पद्धितियों से अवगत कराना जिनके अभ्यास द्वारा वे ईश्वर का प्रत्यक्ष व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त कर सकें। *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* द्वारा मुद्रित ये पाठ *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया/ सेल्फ़-रियलाइज़ेशन फ़ेलोशिप* के संस्थापक, श्री श्री परमहंस योगानन्द, के लेखों तथा व्याख्यानों से उद्धृत किये गये हैं।

योगदा पाठ प्राप्त करने वाले शिष्यों को प्रति माह चार पाठ प्रेषित किये जाते हैं, तथा उनसे यह आशा की जाती है कि वे एक पाठ के पठन में कम-से-कम एक सप्ताह का समय देंगे। यह परामर्श स्वयं परमहंसजी का दिशानिर्देश है। उन्होंने पाठों में बताये गये सिद्धांतों एवं पद्धतियों को मात्र बौद्धिक स्तर पर पढ़ने की अपेक्षा, इनका अभ्यास करने तथा इन्हें आत्मसात् करने की आवश्यकता पर सदा बल दिया था।

सदस्यता शुल्क संबंधी सूचना

पाठमाला की शृँखला में कुल 182 पाठ हैं जो 7 चरणों में विभाजित हैं। सम्पूर्ण पाठमाला प्रेषित करने में 3 वर्ष और 9 महीने का समय लगता है। सभी सच्चे अन्वेषियों को परमहंस योगानन्दजी की शिक्षायें सुलभ कराने हेतु, पृष्ठ 4 पर दिये गये सदस्यता शुल्क को कम-से-कम रखा गया है और इससे पाठों के प्रकाशन तथा शिष्यों को दी जाने वाली अन्य सेवाओं में आयी लागत का कुछ हिस्सा ही पूरा हो पाता है। अन्य अलाभकारी आध्यात्मिक संस्थाओं की भाँति *योगदा सत्संग सोसाइटी* भी अपनी आध्यात्मिक एवं परोपकारी गतिविधियों के संचालन पर होने वाले व्यय-भार का वहन करने हेतु भक्तों एवं शुभचिंतकों द्वारा दिये अनुदानों पर निर्भर करती है। आपसे अनुरोध है कि अपने अनुदान *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* के नाम से भेजें। सभी अनुदान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट प्राप्त हैं। अधिक जानकारी के लिये कृपया हमारी वेबसाइट **www.yssofindia.org** देखें।

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया भारत, बँगलादेश, भूटान, माल्डीव्स, नेपाल, तथा श्रीलंका में निवास करने वाले भक्तों को परमहंसजी की शिक्षायें उपलब्ध कराती है (भारत के बाहर निवास करने वाले आवेदकों के लिये सदस्यता शुल्क भिन्न है)। इन देशों में से किसी एक के नागरिक होने पर भी यदि आप तीन वर्ष से अधिक समय से विदेश में निवास कर रहे हैं, तो पाठों के सदस्य बनने के लिये कृपया हमारे अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय से निम्न पते पर सम्पर्क करें: Self-Realization Fellowship, 3880, San Rafael Avenue, Los, Angeles, California 90065-3219, U.S.A., वेबसाइट: www.yogananda-srf.org।

क्रिया-योग प्रविधि

पाठमाला के प्रथम दो चरणों को पूरा करने तथा प्रथम वर्ष के दौरान प्राप्त मूल प्रविधियों के सत्यनिष्ठ अभ्यास के उपरांत, भक्तजन पावन क्रिया-योग प्रविधि को ग्रहण करने के लिये आवेदन कर सकते हैं। इस बाबत अतिरिक्त जानकारी पाठ संख्या 52 के साथ संलग्न है।

एक ही परिवार के सदस्यों के लिये सहपाठ योजना

यदि आपके परिवार का कोई सदस्य, जिसकी आयु 12 वर्ष या उससे अधिक हो तथा जो आपके ही पते पर निवास करता हो, आपके पाठों को पढ़ने का इच्छुक है तो वह सहपाठी शिष्य के रूप में अपना नाम दर्ज़ करा सकता है। सहपाठ सुविधा प्राप्त करने के लिये प्रत्येक आवेदक को ₹ 100 के सदस्यता शुल्क समेत व्यक्तिगत *आवेदन एवं शपथ फ़ॉर्म* भेजना होगा।

सहपाठ योजना के अंतर्गत शिष्य पाठों का एक ही सेट (प्रति माह भेजे गये चार पाठ) आपस में बाँट सकते हैं। सहपाठ योजना एक ही पते पर निवास करने वाले परिवार के उन सदस्यों को प्रदान की जाती है जो कई वर्षों तक एक ही पते पर साथ रहेंगे और पाठों के एक ही सेट को आपस में बाँट कर पढ़ सकेंगे। चूँकि इन शिक्षाओं का महत्त्व बारम्बार पठन करने एवं पुनरवलोकन करने के द्वारा अनुभव हो पाता है, और चूँकि भक्त उन पंक्तियों को रेखांकित करना या उन स्थानों पर अपनी टिप्पणी करना चाह सकता है जो उसे विशेष तौर पर लाभदायक या प्रेरणादायक महसूस होते हों, अतः ये पाठ भक्त के लिये बहुत निजी एवं अनिवार्य बन जाते हैं। इस कारण, उन परिवारजनों या मित्रों को जो केवल अस्थायी रूप से एक पते पर निवास कर रहे हैं, या जो एक साथ पाठ पढ़ना चाहते हैं परन्तु भिन्न पतों पर निवास करते हैं, यह सुझाव दिया जाता है कि वे अपना नाम अलग-अलग दर्ज़ करायें ताकि उन्हें उनके निजी पाठ प्राप्त हो सकें।

योगदा सत्संग पत्रिकायें

योगदा सत्संग पत्रिकायें वर्ष में चार बार हिंदी, अंग्रेज़ी, तथा बँगला भाषाओं में प्रकाशित की जाती हैं। इन पत्रिकाओं में परमहंस योगानन्दजी तथा दया माताजी के लेखों समेत अन्य लेख भी सम्मिलित होते हैं जो भक्त की साधना को आध्यात्मिक उत्प्रेरणा तथा गहनतर बोध प्रदान करने में लाभदायक होते हैं। पत्रिका की सदस्यता के लिये कृपया पृष्ठ 4 देखें।

पाठमाला के लिये आवेदन फ़ॉर्म

इन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर व्यक्तिगत रूप से आपको जान पाने में हमारी सहायता करेंगे, ताकि हम आपको इन शिक्षाओं के विषय में बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम हो सकें।

कृपया स्पष्ट अक्षरों में लिखें

पाठमाला सम्बन्धी शपथ

कृपया शपथ को ध्यानपूर्वक पढ़ें; उसके उपरांत अपनी सहमति के रूप में नीचे दिये स्थान पर हस्ताक्षर करें। (इस शपथ पर हस्ताक्षर किये बिना आपका आवेदन पूर्ण नहीं माना जायेगा।)

"मैं इन शिक्षाओं का अध्ययन करना चाहता/चाहती हूँ, तथा *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* द्वारा सिखाये गये धर्म-निरपेक्ष सिद्धांतों एवं ध्यान की प्रविधियों को सीखना चाहता/चाहती हूँ।

"मैं गहनतम सत्यनिष्ठा की भावना से इस अध्ययन को ग्रहण करता/करती हूँ। मैं जानता/जानती हूँ कि *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* के पथ पर आध्यात्मिक प्रगति करने के लिये मुझे इन पाठों को निष्ठापूर्वक पढ़ना होगा तथा इन प्रविधियों का एकाग्रता के साथ एवं नियमित रूप से अभ्यास करना होगा।

"मैं वचन देता/देती हूँ कि इन शिक्षाओं को इनके शुद्ध रूप में बनाये रखने में सहायता प्रदान करने के लिये, तथा ऐसे व्यक्तियों द्वारा दार्शनिक व्याख्या एवं प्रविधियों के त्रुटीपूर्ण अभ्यास किये जाने को रोकने के लिये जिन्हें पर्याप्त रूप से प्रशिक्षण नहीं दिया गया हैं, मैं अपने पाठों को सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिये ही अपने पास रखूँगा/रखूँगी। इनमें रुचि प्रकट करने वाले व्यक्तियों को मैं *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया*, राँची, से सम्पर्क करने के लिये कहूँगा/कहूँगी ताकि वे सम्पूर्ण शिक्षायें प्राप्त कर सकें, एवं श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा संस्थापित इस संस्था के साथ प्रत्यक्ष आध्यात्मिक सम्पर्क स्थापित करने के द्वारा पूरा-पूरा लाभ प्राप्त कर सकें।"

(निस्सन्देह आप अन्य व्यक्तियों के साथ *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* के मूल आदर्शों की चर्चा कर सकते हैं, परन्तु *योगदा सत्संग* पाठ एवं ध्यान-प्रविधियाँ केवल आपके व्यक्तिगत अभ्यास के लिये ही हैं।)

_____ _____

(हस्ताक्षर) *(दिनांक)*

नोट: यदि आप सहपाठी शिष्य बनना चाहते हैं और आपकी आयु 12 से 15 वर्ष के बीच है, अथवा आप मूल शिष्य बनना चाहते हैं और आपकी आयु 15 से 18 वर्ष के बीच है, तो पाठों के पढ़े जाने की अनुमति स्वरूप कृपया अपने माता-पिता या अभिभावक से नीचे दिये स्थान पर हस्ताक्षर करवायें।

_____ _____

(माता-पिता या अभिभावक के हस्ताक्षर) *(आवेदक के साथ सम्बन्ध)*

नाम (श्री/सुश्री) _____

पता _____

_____

_____

जिला _____ राज्य _____ पिन _____

ईमेल _____

फ़ोन _____ मोबाइल _____

जन्म तिथि _____ वर्तमान आयु _____

विवाहित/अविवाहित _____ स्त्री/पुरुष _____

जन्म स्थान _____ राष्ट्रीयता _____

क्या पहले कभी आपने योगदा सत्संग पाठमाला के लिये पंजीकरण कराया है? ❑ हाँ ❑ नहीं

यदि हाँ, तो अपनी पाठ पंजीकरण संख्या लिखें L- _____

शैक्षिक योग्यतायें (डिपलोमा, डिग्री, इत्यादि) _____

क्या आप स्कूल या कॉलेज में पढ़ रहे हैं? _____

अध्ययन किये गये विषय _____

व्यवसाय _____

विशेष क्षमतायें या योग्यतायें _____

प्रमुख रुचियाँ एवं क्रियाकलाप _____

_____

आपका पालन-पोषण किस धर्म में हुआ? _____

क्या आप किसी सन्यास सम्प्रदाय से सम्बन्धित हैं? (*विवरण दें*) _____

_____

वर्तमान धार्मिक सम्बन्ध (*यदि हो*) _____

क्या आप ईश्वर में या परमसत्ता में विश्वास रखते हैं? _____

क्या आपने कहीं से दीक्षा ली हुई है? (*विवरण दें*) _____

_____

क्या वर्तमान में आप कोई साधना कर रहे हैं? (*विवरण दें*) _____

_____

आपको *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* की जानकारी कैसे प्राप्त हुई? _____

_____

आपके जीवन का मुख्य लक्ष्य क्या है? _____

_____

आत्मोन्नति के लिये आप क्या प्रयास कर रहे हैं? _____

_____

आपने किन आध्यात्मिक अथवा अध्यात्म सम्बन्धी दार्शनिक पुस्तकों को पढ़ा है? (*कृपया उन पुस्तकों के नाम लिखें जिन्हें आपने सबसे अधिक लाभदायक पाया हो*) _____

_____

क्या आपने *योगी कथामृत* पढ़ी है? _____ श्री श्री परमहंस योगानन्द की अन्य पुस्तकें? (*कृपया नाम लिखें*) _____

_____

_____

योगदा सत्संग शिक्षाओं का अध्ययन करने के लिये मेरे विशेष कारण _____

_____

_____

_____

फ़ोटोग्राफ़
(वैकल्पिक)
यदि आप अपना एक छोटा फ़ोटो भेज सकें तो कृपा होगी।
फ़ोटो यहाँ चिपकायें।

सदस्यता शुल्क भेजने का फ़ॉर्म

(ये शुल्क केवल भारत के लिये ही लागू)

वाइ.एस.एस. के शताब्दी वर्ष के अवसर पर, पाठमाला तथा पत्रिका के सदस्यता शुल्क में 5 जनवरी, 2017 से 22 मार्च, 2018 तक विशेष छूट दी जा रही है। यह छूट मात्र नये सदस्यों को ही नीचे दर्शाये अनुसार प्राप्त होगी।

पाठों की सदस्यता का प्रकारः (❑ हिन्दी अथवा ❑ अंग्रेज़ी)

- ❑ 60 पाठ (15 माह) ..... ~~₹ 150~~ ₹ 120 ..... _____
- ❑ 120 पाठ (30 माह) ..... ~~₹ 300~~ ₹ 240 ..... _____
- ❑ 182 पाठ (पूरा पाठ्यक्रम) ..... ~~₹ 450~~ ₹ 360 ..... _____

❑ सहपाठ योजना (केवल एक परिवार के सदस्यों के लिये)

विवरण के लिए पृष्ठ 2 देखें

प्रत्येक सहपाठी के लिये ₹ 50 ..... _____

(प्रत्येक सहपाठी सदस्य को अलग से आवेदन फ़ॉर्म भी भेजना होगा)

मूल सदस्य का नाम एवं पंजीकरण संख्या .....

.....

सहपाठी का मूल सदस्य के साथ सम्बन्ध .....

योगदा सत्संग पत्रिका

	1 वर्ष	3 वर्ष	5 वर्ष	15 वर्ष	
❑ अंग्रेज़ी	❑ ~~₹ 60~~ ₹ 45	❑ ~~₹ 165~~ ₹ 120	❑ ₹ 260	❑ ₹ 750	_____
❑ हिंदी	❑ ~~₹ 60~~ ₹ 45	❑ ~~₹ 165~~ ₹ 120	❑ ₹ 260	❑ ₹ 750	_____
❑ बाँगला	❑ ~~₹ 60~~ ₹ 45	❑ ~~₹ 165~~ ₹ 120	❑ ₹ 260	❑ ₹ 750	_____

अनुदान ..... _____

कुल योग ₹ _____

योगदा सत्संग पाठमाला या पत्रिका के शुल्क, अनुदान आदि **योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया** के नाम से राँची में स्थित किसी बैंक के चेक, अथवा डिमाण्ड ड्राफ़्ट, अथवा क्रॉस किये गये भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजें। कृपया जहाँ तक हो सके मनीऑर्डर द्वारा राशि न भेजें क्योंकि उसे हम तक पहुँचने में कई माह लग जाते हैं। कृपया पाठ पंजीकरण की राशि समेत अपना आवेदन एवं शपथ फ़ॉर्म भरकर इस पते पर भेजें: **योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया, परमहंस योगानन्द पथ, राँची 834 001, झारखण्ड**

प्रेषित की गयी राशि के विवरण

बैंक का नाम _____

चेक/डिमाण्ड ड्राफ़्ट/भारतीय पोस्टल ऑर्डर सं ___

_____

तिथि _____

केवल कार्यालय के उपयोग के लिये (कृपया इस जगह में कुछ न लिखें)

Lessons Registration No. L- Date :

PRESENT ADDRESS

Companionate Student

Relation _____ L- _____

Con. Approved

Yogoda Satsanga Magazines

YE- _____ YH- _____

YB- _____

Copyright © 2010 Self-Realization Fellowship. All rights reserved.